

Οἱ λόγοι του δὲν μὲ
πλήττουν ποτέ.

Λέγει πάντοτε καλὰ
πράγματα, καὶ ἔχει
τὸ προτέρημα νὰ τὰ
παραστήνη καλὰ.

Δὲν ἀγαπῶ τοὺς ἐκ-
τεταμένους λόγου.

Τοὺς ἰδικούς του δὲν
θὰ εὔρητε πάρα πο-
λὸ ἐκτεταμένους.

Εἶναι καιρὸς νὰ ὑ-
πάγωμεν εἶναι μισή
ῶρα ἀφοῦ ἔπαυσε
νὰ σημαίνει ὁ κώ-
δων (ἢ καμπάνα).

Ἐ καλὰ, ἄς ὑπάγω-
μεν ν' ἀκούσωμεν
τὸν ἠγαπημένον σου
ἱεροκήρυκα.

ΔΙΑΛΟΓΟΣ ΙΔ'.

Διὰ τὰ ἀγοράση ὀπωρικά.

Πόσον ἐπληρώσατε
αὐτὰ τὰ κεράσια;

Εἴκοσι παράδες τὴν
ὀκτὰν.

Δὲν εἶναι ἀκριβά· εἶ-
ναι πολλὰ ῶραϊα.

Ἀγαπῶ καλὰ τὰ κε-

Отъ думы-ты му недо-
крывява никогашь.

Казва всякога добры
нѣчта, и има дарба
да ги прѣдставя до-
брѣ.

Не обычамь распро-
странены ти слова.

Нѣговы-ти не щете
намѣрите много рас-
пространены.

Врѣмя е да отидемь;
има половинѣ чясъ
откакѣ запрѣ да бие
звѣнилница-та.

Е добрѣ, нека оти-
демь да чюемь люби-
мый ви проповѣдникѣ.

РАЗГОВОРЪ XIV.

За да купи нѣкой увоция.

Κολκο платихте за тыя
черешы?

Двадесять пары ока-
та.

Не сж скжпи; много
сж добры.

Обычамь много чере-